

पा० ८

पाठ

पड़िशा घर
पड़िशा घर

मणि : माउषी ! क'श करुथिले
कि ?

माउषी : मुँ भागवत पछुथिलि ।

मणि : आपशंक बोहु आउ नाटि
नातुशी माने क'श करुत्तुन्ति?

माउषी : बोहु उ रेषेइ
करुथिब । लालि नाच अउपाए
करुथिब, रूपा पा० पछुथिब,
आउ नाटिटाट खेलुथिब । तोर
क'श रेषेइ धरिला ?

मणि : हुँ, एबे धरिला । पिलामाने
बर्तमान सूलरु आसुथिबे ।

माउषी : मानस घरे नाड़िकि ?

मणि : नालै माउषी । येत कालि
टूरेरे गले । एबे फेरुथिबे ।
रातिरे एठि पदुथिबे । आছा
माउषी, आपशंकु नुआ घर
केमिति लागुत्ति ?

माउषी : घर उ भल लागुत्ति ।
हुले मोर गाँ कथा मने

पड़ोस का घर

मणि : मौसी ! क्या कर रही थीं ?

मौसी : मैं भागवत पढ़ रही थी ।

मणि : आपकी बहू और पोता-पोती क्या कर
रहे हैं ?

मौसी : बहु तो रसोइ कर रही होगी । लाली
नाच का अभ्यास कर रही होगी ।
रूपा पाठ पढ़ रही होगी और पोता तो
खेल रहा होगा । क्या तेरी रसोइ
खतम हुई ?

मणि : हाँ, अभी खतम हुई । बच्चे अभी स्कूल
से आ रहे होंगे ।

मौसी : क्या मानस घर में नहीं है ?

मणि : नहीं मौसी । वे तो कल टूर पर गए ।
अब वापस आ रहे होंगे । शामको यहाँ
पहुँचेंगे । अच्छा मौसी, आपको नया
घर कैसा लग रहा है ?

मौसी : घर तो अच्छा लग रहा है । किंतु
मुझे गाँव की (बात) याद आ रही है ।
हलवाही (लोग) अब तो धान काट रहे
होंगे । क्या मकरा अच्छी तरह खेती-
बाड़ी की देखरेख करता होगा ?

પઢુછું । હૃલિથામાને એબે ત
ધાન કાટુથિબે । મકરા ક'ણ
ઠિક્રે બિલ બાઢિ દેખા શુણા
કરુથિબ ?

મણિ : આપણણ એકઠિ રહ્યિલે ।
મું ભાગુછું, યે ચાકર ટોકાણ
કિછું કરુ નથિબ ।

માદ્રાસા : યેઉણા ભારી કામ ચોર ।
પેટે પેટે શાન્દિબ, આજ
ઘરુંબેલે શોન્દિબ । ચાષ
કામરે ડેરિ કરિબા ઉચ્ચિત
નુહેં । જથારે અહું પરા -"ચાષ
ચર ચર બણિન મઠ" ।

મણિ : માદ્રાસા, આપણ ત આસન્ન
માઘરે ગાँકુ યિબે । રેઢિઓ
મધ્ય ઘાંઝરે નેલયિબે । યેઠે
રેઢિઓરે જણાણ શુણુથિબે, આજ
ધાન કણા વિ દેખુથિબે ।

માદ્રાસા : નૂથી જાગારે બોરૂણા એકલા
રહ્યિબ । મું કેમિચ યિબિ?

મણિ : બયસુ ઢૂઅન્નુનિ, માદ્રાસા આમે
ઘાલ પઢિણારે અહું । આણે
દેઉથિબુ યે, કિછું અસુરૂધા
હૃદબન્નિ ।

માદ્રાસા : તેબે ત મું કાલિ ઘરકુ યિબિ ।

મણિ : આપ તો યહાઁ રહીંની । મૈં સોચ રહી હું,
વહ નૌકર છોકરા કુછ નહીં કર રહા
હોગા ।

મૌસી : વહ બહુત કામચોર હૈ । ભર પેટ ખા
રહા હોગા ઔર સારે સમય સોતા રહતા
હોગા । ખેતી મેં દેરી કરના ઠીક નહીં
હૈ । કહાવત હૈ ખેતી જલ્દી-જલ્દી
વ્યાપાર ધીરે-ધીરે ।

મણિ : મૌસી, આપ તો અગલે મહીને ગાંવ
જાએંગી । રેડિઓ ભી સાથ લે જાએંગી ।
રેડિઓ સે વહાઁ 'જણાણ' (પ્રાર્થના
ગીત) સુન રહી હોંગી ઔર ધાન કી
કટાઈ ભી દેખ રહી હોંગી ।

મૌસી : નર્ઝ જગહ મેં બહુ અકેલી રહેગી । મૈં
કૈસે જાઊંગી ?

મણિ : મૌસી આપ ચિંતા મત કીજિએ । હમ
પાસ-પડોસ મેં (રહતે) હું । નજર-ગુજર
દેતે રહેંગે । કુછ (કોઈ) અસુવિધા નહીં
હોંગી ।

મૌસી : તવ તો મૈં કલ હી ગાંવ કો જાઊંગી ।

| ओडिआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|------------|---|
| ବୋନ୍ଦୁ | बहू |
| ନାତି | पोता |
| ନାତୁଣୀ | पोती |
| ରୋକେଇ | ରସୋଈ |
| ଖେଳୁଥିବ | खେଲ ରହା ହୋଗା |
| ସରିଲା | ଖତମ ହୁଆ / ସମାପ୍ତ ହୁଆ |
| ଫେରୁଥିବେ | ବାପସ ଆ ରହେ ହୋଗେ |
| ଦେଖାଣୁଣୀ | ଦେଖରେଖ |
| କାମଚୋର | କାମଚୋର |
| ପେଟଙ୍ଗପେଟ | ଭରପେଟ |
| ଶୋଉଥିବ | ସୋତା ରହତା ହୋଗା |
| ତାଷକାମ | ଖେତୀ |
| ଡେରି କରିବା | ଦେରୀ କରନା |
| ତର ତର | ଜଲ୍ଦି ଜଲ୍ଦି |
| ବଣିଜ | ବ୍ୟାପାର |
| ମ୦ | ଧିରେ |
| ଜଣାଣ | ଜଣାଣ (ଭଗବାନ କେ ପ୍ରତି ଆତମନିଵେଦନ କେ ଗୀତ) |
| ଧାନକଟା | ଧାନ କୀ କଟାଇ |
| ଆଖି ଦଢ଼ିବୁ | ଦେଖିବାରେ ରହେଗେ / ନଜ଼ର ଦେତେ ରହେଗେ, ନିଗରାନୀ କରେଗେ |
| ଥପୁବିଧା | ସମସ୍ୟା, ଅସୁଧିଧା |
| ବିଷୟରେ | ବିଷୟମେ |
| ଶୁଣୁଥିବେ | ସୁନ ରହି ହୋଗୀ |

अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।

- | | |
|----------------|--------------------------|
| 1) 1. ବିଲ ବାତି | 2) 1. ଦେଖାଣୁଣୀ କରୁଥିବୁ । |
|----------------|--------------------------|

- | | | | |
|----|-----------|----|----------------------|
| 2. | देखाशूणा | 2. | 'ताष तर तर बशिज म०।' |
| 3. | काम चोर | 3. | आशि दउथिबू। |
| 4. | साइ पडिशा | | |

- 3)
- | | |
|----|--|
| 1. | बोहू त रोषेल करुथिब। |
| 2. | लालि नाच अभ्यास करुथिब। |
| 3. | पिलामाने मूलरू फेरुथिबे। |
| 4. | हुलिआमाने धान काटुथिबे। |
| 5. | मकरा क'श विलवाडि ठिक्रे देखाशूणा करुथिब ? |
| 6. | मुँ भाबुच्छि ये चाकर टोकाटा किछि करु नथिब। |
| 7. | आमे आशि दउथिबू ये। |

II. रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

- 1) उदाहरण :- बोहू त रोषेल करुथिब।
- | |
|------------|
| काम |
| रक्षा बढ़ा |
| देखाशूणा |
| तरकारी |
| सहुकाम |
- 2) रूपा पाठ पढुथिब।
- | |
|--------|
| मधू |
| घृता |
| शिखा |
| शिप्रा |
| मून्हा |
- 3) येमाने धान काटुथिबे।
- | |
|-------|
| परिवा |
| गडम |
| मका |
| काठ |
| गछ |
- 4) गोपाल क'श ठिक्रे देखाशूणा करुथिब ?
- | |
|-----------|
| काम दाम |
| पड़ा शूणा |

ଦିଆ ନିଆ
ଖିଆ ପିଆ
ରନ୍ଧା ବଡ଼ା

5) ଲାଲି ତ ନାଚ ଅଭ୍ୟାସ କରୁଥିବ ।

ଶୀଘ୍ର
ଅଙ୍ଗ
ଚିତ୍ର
ଶଳିତ
ଜ୍ୟାମେତ

III. उदाहरण के अनुसार रेखांकित शब्द के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए उन के अनुसार क्रियाओं को भी बदलकर नये वाक्य बनाइए ।

ଉଦାହରଣ :- ରୂପା ପାଠ ପଢୁଥିବ ।

ଶୀଘ୍ର
ନାଚ
ଶେଳ
ରେଣ୍ଡିଓ
ଟି.ଭି.

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए ।

1. ପିଲାମାନେ _____ ଆସୁଥିବେ । (ମୁଲ)
2. ମାନସ _____ ନାହିଁକି ? (ଘର)
3. କାଲି _____ ଆସି ଏଠି ପହଞ୍ଚିବେ । (ରାତି)
4. ଆପଣ _____ ରେଣ୍ଡିଓଟା ନେଇ ଘାଆନ୍ତୁ । (ଘାଙ୍ଗରେ)
5. ଆମେ _____ ଥାଲେ । (ଘାଲ ପଢ଼ିଶା)
6. ତେବେ ତ ମୁଁ କାଲି _____ ଯିବି । (ଗାଁ)

V. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं का उपयुक्त स्थान पर प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए ।

(ଶେଳୁଥିବ, କାଟୁଥିବେ, ଆସୁଥିବେ, ଦଉଥିବୁ, କରୁଥିବ)

1. पिलामाने एवे मूलरू ____ |
2. हुक्किआमाने धान ____ |
3. नाटिटा उ ____ |
4. बोहू उ रेषेइ ____ |
5. आमे आषि ____ |

VI. नीचे दिए गए ओड़िआ और हिंदी के समानार्थक शब्दों का सही मिलान कीजिए।

| 'क' | 'ख' |
|-------------|--------------|
| रेहिओ | रसोई |
| बोहू | पड़ोस |
| रेषेइ | अभ्यास |
| मने पछुत्ति | खेती |
| थउयाए | याद आ रहा है |
| घाइ पट्टिशा | बहू |
| राष्ट्र काम | रेड़िओ |

VII. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(घर, मने, भागबति, एकला, रेहिओरे)

1. मूँ ____ पछुथिलि।
2. आपश्कू नूआ ____ केमिति लागुत्ति ?
3. हृले मोर गाँ कथा ____ पछुत्ति।
4. एठि ____ जिशाश शूण्यथिबे।
5. नूआ जागारे बोहूटा ____ रहिब।

VIII. (क) और (ख) वर्गों के शब्दों का सही मिलान कीजिए।

| 'क' | 'ख' |
|------|------|
| बिल | छुणा |
| देखा | चोर |

| | |
|------|-------|
| काम | बाढ़ि |
| पेटे | ठर |
| ठर | पेटे |

IX. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन किजिए।

उदाहरण :- (1) रमा गीत शाइब।
 रमा गीत शाइब।

1. बापा भाट शाइब।
2. चम्बु पाठ पढ़िब।
3. मा' गोष्ठे घरे काम करिब।
4. चाषा ऊमि दूल करिब।
5. कुमार पूर्णिमारे ईश्वराने नाच करिब।

उदाहरण :- (2) चम्बु खेल खेलूथिब।
 चम्बु खेल खेलूथिला।

1. पिलामाने शृंगरि देखूथिबे।
2. कालि रबीन्द्र मञ्चप ठारे मूँ ओढ़िशा नाच नाचूथिब।
3. डुमे घरे पाठ पढ़ूथिब।
4. हृरि सूलकु याउथिब।
5. बापा रेढिओरे गीत शूशूथिबे।

पढ़िए और समझिए

आम गाँ

आम गाँ

एवे आम गाँ बिलरे धान गड़ घबू हृसूथिब। राति पाहिले चाषा भाइ बिलकु याउथिब। ऐ बिलरे पाणि देउथिब। बहुत खरा हैउथिब। केते प्रकारर खेत थार देउथिब। खेत देबापरे माटिर उर्वरता बढ़ूथिब। ऐथिरे घबू प्रकारर पंसल हैउथिब। रटु अनुयायी बिरिन्न प्रकारर पंसल हैउथिब।

ठापरे चाषीभाइ धानगुड़िकू नेइ बनाररे बिक्री करुथिब। येथिरु पलसा पाइ घरकू परिवापत्र आशुथिब। चाषी भाइर पिलामाने स्तूलकू याउथिब। परे स्त्री ताकू बिलरे साहाय्य करुथिब। ठापरे आयि रोषेल करुथिब ओ पिलामानकू खाइबाकू दउथिब एवं स्त्रीमा पाल्ह खाद्य नेइ बिलकू याउथिब। दिनर शेष प्रहररे गाँ दाण्डरे धूलि उडुथिब। गाइ, शोळ घरकू फेरुथिब। गहु उडाढ़रे ताआणिआ खरा उंकी मारुथिब। पक्षीमाने कलरव करुथिब। बिज्ञन प्रकार किंचिर मैंचिर शब्दरे कान पाचियाउथिब। यंत्रबेले पश्चिम दिगरे सूर्य्य बुदुथिब। आम गाँ मन्दिररे मंगल आलडी हृदृथिब, आउ घण्टा बाजूथिब।

शब्दार्थ

| | |
|---------------|-----------------------|
| ओडिआ शब्द | हिंदी अर्थ |
| बिल | खेत |
| धान गहु | धान की पौधा |
| हुम्पुथिब | हँस रहे होंगे |
| राटि पात्रिले | सुबह होने से |
| चाषी भाइ | कृषक (किसान भाई) |
| झेत | खाद |
| थार | (पेड़ का) सार, तत्त्व |
| धूलि | धूल |
| उडुथिब | उड़ रहे होंगे |
| गाइ शोळ | खेड़ |
| गहु उडाढ़रे | पेड़ के फाँक से |
| ताआणिआ खरा | शाम की कोमल धूप |
| उंकी मारुथिब | (सूर्य किरण) झाँकेगी |
| संघ देले | शाम हुई |
| पश्चिम दिग | पश्चिम दिशा |
| बुदुथिब | डुब रहा होगा |

| | |
|--------------------|------------------|
| ମଙ୍ଗଳ ଆଳଜୀ | ମଂଗଲ-ଆରତୀ |
| ଘଣ୍ଡୁ | ଘଂଟା |
| ବାହୁଥିବ | ବଜ ରହା ହୋଗା |
| ଖରା | ଧୃପ |
| ଫଂସଲ | ଫସଲ |
| ସାହୁଧ୍ୟ | ସହାୟତା, ମଦଦ |
| ଦିନର ଶେଷ ପ୍ରମୁଖ | ଦିନ କା ଅଂତିମ ଭାଗ |
| ପକ୍ଷୀମାନେ | ପକ୍ଷିଯା |
| କଳରବ | ଘନି |
| କିଂଚିର ମିଂଚିର ଶବ୍ଦ | ଗୁନଗୁନା |
| କାନ ଫାଟିଯାଉଥିବ | କାନ ଫଟାନା |
| ରତ୍ନ | ଋତୁ |
| ବଜାର | ବାଜାର |
| ବିକ୍ରୀ | ବେଚନା |

ଅଭ୍ୟାସ

I. ଅନୁଚ୍ଛେଦ କେ ଆଧାର ପର ନୀଚେ ଦିଏ ଗାଁ ପ୍ରଶନ୍ନାଂ କେ ଉତ୍ତର ଦୀଜିଏ ।

1. ଧାନ ଗଛ ସବୁ କେଉଁଠି ଦୂଷ୍ଟଥିବ ?
2. ରାତି ପାହିଲେ ଚାଷୀ ଭାଇ କ'ଣ କରୁଥିବ ?
3. ଚାଷୀ ଭାଇର ସ୍ଵୀ କ'ଣ କରୁଥିବ ?
4. ଉଥାଣିଆ ଖରା କେଉଁଠି ଉଜ୍ଜି ମାରୁଥିବ ?
5. କେତେବେଳେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ଚୁପ୍ତଥିବ ?
6. ଗାଁ ମନ୍ଦିରରେ ସଞ୍ଜ ହେଲେ କ'ଣ ହେଉଥିବ ?
7. କେଉଁମାନେ କଳରବ କରୁଥିବେ ?
8. ଚାଷୀଭାଇ ଧାନ ଗୁଡ଼ିକୁ ନେଇ କେଉଁଠାରେ କ'ଣ କରୁଥିବ ?
10. କେତେବେଳେ ଗାଁ ଦାଣୁରେ ଧୂଳି ଉତ୍ତୁଥିବ ?

II. ନୀଚେ ଦିଏ ଗାଁ (କ) ଓର (ଖ) ଵର୍ଗା କେ ଶବ୍ଦଙ୍କ କା ସହି ମିଲାନ କୀଜିଏ ।

| 'क' | 'ख' |
|--------|---------|
| काषा१ | दाण्डा० |
| कृषि | गो० |
| गाँ | सार |
| गाल | भाल |
| गहु | खरा |
| उआशिआ | दिग |
| पक्षिम | आलता१ |
| मज़ाल | उहाड़ |

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

साधारणतये आदिबासी उर गोटिए बखरा। ऐक्यरे बापा बोउ, पूथ ईंग एकाठि रहन्ति। यूबक हुले पूथ धाङ्डा उरे ओ ईंग धाङ्डा उरे रहन्ति। बाहाहुले येमाने आपशा उर बसान्ति।

आदिबासीज उरे मणिक छुड़ा छुलि, कुकुड़ा मध्य रहन्ति। ऐक उरे रक्षारक्षि हुउथिबा फलरे धूआँ मध्य हुउथिब। एक धूआँ द्वारा छुलि कुकुड़ाज चिङ्क मरियाउथिब। ता फलरे चिङ्क गुड़िक मणिक देहुरे लागू नथिब।

आदिबासीमाने शिकार करि पशु माउँसकु उरे टुलेरे रक्षन्ति। धूआँरे एगुड़िक यिटि याउथिब। फलरे एहु बहुत दिन पर्यन्त रहन्ति।

आगे जमि, जिजल ओ जल सम्पद उपरे आदिबासीमानजर हुँ अधिकार थिला। एबे सबु सरकारज द्वातकु चालियाइछु। फलरे बिकाश नाँरे येते योजना हुउछ्हि ताद्वारा आदिबासीमाने बेघर हुउछ्हन्ति। एशे तेणे बुलि शेषरे सहरर रास्ता कड़रे आश्रय नेउछ्हन्ति।

आदिबासी गाँ पाखरे ताजर पबित्रु जिजल ओ स्कूल उरेणा थाए। गोटिए जागारु ढांगाल अन्य जागाकु गले येमाने एउसबु सांस्कृतिक चिह्न द्वारेथाआन्ति।

आदिबासी उर हुउछ्हि येमानजर अठि आपशार। सबु आदिबासीज उर

एकापरि नूह्रे॑ । थानुाल मानज्ञ घर खंडा परि । एहार बाहार कान्तु पठा पठा
रঞ্জনে लिपा । षड्गवा मानज्ञ बाहार कान्तुरে चिता अ॒षि शूद्धर । तोडा मानज्ञ
घर शोल ३ शोक्षिथा । षबू घरर चेह्रेरा अलगा । षेहृपरि षबू
आदिबासीमानज्ञर चेह्रेरा मध्य॑ अलगा अलगा ।

IV. ओडिआ में अनुवाद कीजिए ।

आप घर जा रहे होंगे । मैं आप के घर की देखरेख करता रहूँगा । गाँव में क्या क्या
करेंगे, इस का समाचार देना । वहाँ बगीचे होंगे । उनमें चिड़ियाँ चहचहाती होंगी । भाँति-भाँति के
पशु-पक्षी विचरण कर रहे होंगे । एकांत में आप सोच रहे होंगे । बच्चे स्कूल से आ रहे होंगे । घर
में प्रसन्नता छा रही होगी । हिरन् दौड़ रहे होंगे और मोर नाच रहे होंगे ।

V. गाँव के किसान के बारे में ओडिआ में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए ।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है ।

- | | |
|--|----------------------------------|
| 1. पिलामाने बर्द्धमान शूलू आशुथिबे । | बच्चे अभी स्कूल से आ रहे होंगे । |
| पिलामाने बर्तमान स्कुलरु आसुथिबे । | |
| 2. मकरा क'श बिलबाड़ि देखाशुशा करूथिब ? | क्या मकरा अच्छितरह खेतिवाड़ि |
| मकरा क'ण बिलबाड़ि देखाशुणा करूथिब ? | की देखरेख करता होगा ? |
| 3. मूँ भाबूहि, द्ये चाकर शोकाटा किट्टि करूनथिब । | मैं सोच रही हूँ, वह नौकर |
| मुँ भाबुहि से चाकर टोकाटा किछि करूनथिब । | छोकरा कुछ नहीं कर रहा होगा । |

वाक्य (1) में ओडिआ के अपूर्ण भविष्यत काल की क्रिया का प्रयोग हुआ है । यह हिंदी
के ‘आ रहे होंगे’ जैसा प्रयोग है । अपूर्ण भविष्यत काल में ओडिआ क्रिया के साथ -‘थिबा’ (-
थिबा), -‘थिबि’ (-थिबि), -‘थिबू’ (-थिबु), -‘थिब’ (-थिब) प्रत्ययों का प्रयोग होता है । पुरुष और
वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदल जाता है ।

उत्तमपुरुष

एकवचन

मूँ आशुथिबि ।

मैं आ रहा हुँगा ।

मुँ आसुथिबि ।

| | | |
|---|---|--------------------------------------|
| बहुवचन | आमेमाने/ आमेमाने आसूथिबू । आमेमाने / आम्भेमाने आसुथिबू । | हम आ रहे होंगे । |
| मध्यमपुरुष | | |
| एकवचन | तू आसूथिबू । | तू आ रहा होगा/ |
| रहा होगा । | तु आसुथिबू । | |
| | दू मे आसूथिबै । | तुम आ रहे होगे/ रही होगी । |
| | तुमे आसुथिब । | |
| | आपश आसूथिबे । | आप आ रहे / रही होंगे । |
| | आपण आसुथिबे । | |
| बहुवचन | दूमेमाने/ दूमेमाने आसूथिब । तुमेमाने/ तुम्भेमाने आसुथिब । | तुम (लोग) आ रहे होंगे / रही होंगी |
| | आपशमाने आसूथिबे । | आप (लोग) आ रहे होंगे/ |
| | आपणमाने आसुथिबे । | रही होंगी । |
| अन्यपुरुष | | |
| एकवचन | ये आसूथिब । | वह आ रहा होगा/ रही |
| होगि । | से आसुथिब | |
| बहुवचन | येमाने आसूथिबे । | वे (लोग) आ रहे होंगे/ |
| | सेमाने आसुथिबे | रही होंगी । |
| वाक्य (2) और (3) ओड़िआ के अपूर्ण भविष्यत काल के प्रश्नवाचक और निषेधवाचक रूप हैं । | | |
| II. | इस पाठ में ओड़िआ की एक कहावत और दो मुहावरों का प्रयोग हुआ है । | |
| 1. | 'छाष छर छर छक्षिष्म म०' | 'चाष तर तर बणिज मठ' । |
| 2. | देखाशुणा करिबा । | देखाशुणा करिबा |
| 3. | आखि देउथिबू । | आखि देउथिबू |
| 1. | ओड़िआ में दी हुई पहली कहावत का अर्थ यह है कि जब खेत में काम करना है तो जल्दी- | |

जल्दी समय पर करना चाहिए। समय बीत जाने पर खेती ठीक नहीं होगी। कोई व्यापार करना है तो सोच समझ कर करना चाहिए। जल्दी करना ठीक नहीं।

2. ओडिआ में दिए गए पहले मुहावरे का अर्थ है किसी की ठीक प्रकार से देखभाल करना।
3. ओडिआ में दिए गए दूसरे मुहावरे का अर्थ है, चौकसी करना, नज़र गुज़र रखना।